# ई-समाचार

द्विमासिक समाचार पत्रिका

अंक - 17 | मई-जून | वर्ष - 2017


## अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की घोषणा की। दिनांक 21 जून 2017 को संस्थान के अरगुल परिसर स्थित सामुदायिक केन्द्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। 10 से 21 जून तक आयोजित योगभ्यास सत्र के दौरान संस्थान के छात्र-छात्रा, संकाय सदस्यों, अधिकारियों/कर्मचारियों ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व आयोजित विभिन्न योगभ्यास सत्र के दौरान विभिन्न योग गुरुओं द्वारा योगासन के साथ-साथ योग के माध्यम से दैनिक जीवन को किस तरह अनुशासित किया जाए इसका अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम की शुरुवात माननीय निदेशक महोदय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर आर्ट ऑफ लिविंग के संकाय सदस्य श्री तपन मिश्रा ने उपस्थित जन समुदाय को विभिन्न योगासन कराया तथा "जीवन में योग का महत्व" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने अपने संबोधन में योग की विज्ञान एवं तकनीकी लाभ की सराहना की और संस्थान सदस्यों द्वारा प्राप्त किए जा रहे लाभ की ओर भी अपनी प्रशंसा व्यक्त की। इसके साथ ही उन्होंने योग को अपने दैनिक जीवन की गतिविधियों में जोड़ने का आह्वान किया और कहा कि आज भारत की इस परंपरा को संपूर्ण विश्व अपना रहा है हमें भी इसे अपने दैनिक जीवन की गतिविधियों में अंगीकृत करने की आवश्यकता है।

राजभाषा एकक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर द्वारा सम्पादित


**हिन्दी का भविष्य उज्ज्वल है, इसमें कोई संदेह नहीं। - अनंत गोपाल शेवड़े।**

## ओपन हाउस डे

आईआईटी भुवनेश्वर में दिनांक 18 जून 2017 को जेईई एडवांस्ड 2017 के रैंक होल्डरों तथा वर्ष 2018 की परीक्षा के लिए अभ्यर्थियों के साथ ओपन हाउस डे परिचयात्मक सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम से 190 छात्रों को लाभ हुआ जिसमें 170 कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे तथा 20 छात्र स्काइप या फोन के माध्यम से संपर्क में आए। इस अवसर पर माननीय निदेशक के साथ-साथ अन्य संकायाध्यक्षों ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर शिक्षा ऋण से संबंधित जानकारी छात्रों को मुहैया कराई गई।

## नया एम. टेक. पाठ्यक्रम

आईआईटी भुवेश्वर की सीनेट ने कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में दो वर्षीय नया एम. टेक. पाठ्यक्रम प्रारंभ करने का अनुमोदन दिया है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्र नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा तथा फॉरेंसिंक विज्ञान और डैटा एनैलिटिक्स एवं मैशीन इंटेलिजेंस में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं।

## परामर्शी एवं प्रयोजित शोध परियोनाएं

मई एवं जून माह के दौरान संस्थान के संकाय सदस्य डॉ. यू. सी. साहू एवं डॉ. अरिंदम सरकार ने 41.17 लाख मूल्य के परामर्शी परियोनाएं हासिल की ।

इसे दौरान संकाय सदस्य डॉ. सी. एन. भेंडे एवं प्रो. ब्रिज कुमार ढिंडाव ने 96.24 लाख मूल्य के प्रयोजित शोध परियोनाएं अर्जित की।

## ग्रीष्म प्रशिक्षुता (Summer Internship)

मई एवं जून माह में हमारे कई छात्र देश विदेश के विभिन्न औद्योगिक एवं शैक्षणिक संस्थानों में ग्रीष्म प्रशिक्षुता हेतू गए और परशिक्षण प्राप्त किया। इस दौरान देश के विभिन्न संस्थानों के छात्रों ने हमारे यहाँ भी परशिक्षण प्राप्त किया ।

## शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. डॉ. अरिंदम सरकार, सहायक प्राध्यापक, एसआईएफ ने 23.05.2017 से 26.05.2017 को इंटरनेशनल स्कूल ऑफ हाइड्रॉलिक्स, जचरंका, पोलैंड का दौरा किया और 'साइमुलेशन ऑफ फ्लो कैरेक्टरिस्टिक्स थ्रू इमर्ज्ड रिजिड वेजिटेशन ओवर ए परटर्ब्ड बेड' शीर्षक पर प्रस्तुति दी।

2. डॉ. मीनू रामदास, सहायक प्राध्यापक, एसआईएफ ने 21.05.2017 से 25.05.2017 को एएससीईज एन्वायरमेंटल एंड वाटर रिसोर्सेस इंस्टीट्यूट, (ASCE-EWRI 2017 ), कैलिफोर्निया, यूएसए का दौरा किया और 'एग्रीकल्चर ड्राउट मॉनिटरिंग फ्रेम वर्क फॉर एन इस्टर्न इंडिया रिवर बेसिन यूजिंग रिमोटली सेंस्ड स्वाइल म्वॉइस्चर डाटा' शीर्षक पर प्रस्तुति दी।

3. डॉ. सीमा बहिनीपति, सहायक प्राध्यापक, एसबीएस ने बेल्ले -II सिलिकॉन वर्टेक्स डिटेक्टर में भाग लेने के लिए 22.05.2017 से 26.05.2017 को इंस्टीट्यूट ऑफ हाई एनर्जी फिजिक्स, बीजिंग, चीन का दौरा किया ।

4. डॉ. राजन झा, सहायक प्राध्यापक, एसबीएस ने ट्रेंड्स इन नैनोट्राइबोलॉजी 2017 (TiN17 ) में भाग लेने के लिए 22.05.2017 से 30.06.2017 को एबडस सलाम इंटरनेशनल सेंटर फॉर थ्योरेटिकल फिजिक्स (आईसीटीपी), इटली का दौरा किया ।

5. डॉ. योगेश जी. भुमकर, सहायक प्राध्यापक, एसएमएस ने 06.06.2017 से 08.06.2017 को इंस्टीट्यूट ऑफ मैकेनिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ बोडियक्स, फ्रांस का दौरा किया और " एडवांस्ड फ्लूड मैकेनिक्स : थ्योरेटिकल एंड न्यूमैरिकल मॉडेलिंग, एक्सपेरिमेंटल एप्रोचेज" शीर्षक पर प्रस्तुति दी।

6. डॉ. पद्मलोचन बेरा, सहायक प्राध्यापक, एसईएस ने 19.06.2017 से 20.06.2017 को लंदन, यूके का दौरा किया और ' नोवेल इंप्लिमेंटेशन ऑफ पैरेलल होमोमॉर्फिक इंक्रिप्शन फॉर सेक्यूर डाटा स्टोरेज इन क्लॉड ' शीर्षक पर प्रस्तुति दी।

## बधाई

1. डॉ. श्यामल चटर्जी, सहायक प्राध्यापक, आधारीय विज्ञान विद्यापीठ को राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के सदस्य के रूप में चयनित किया गया।

2. डॉ. सी एन भेंडे, सह-प्राध्यापक, विद्युत विज्ञान विद्यापीठ का चयन प्रतिष्ठित भास्कर एडवांस्ड सोलर एनर्जी फेलोशिप कार्यक्रम के लिए हुआ है। इस कार्यक्रम के तहत डॉ. भेंडे को वाशिंगटन स्टेट विश्वविद्यालय में शोध कार्य करने का अवसर मिलेगा।

3. डॉ. अंकुर गुप्ता, अभाग्यत सहायक प्राध्यापक, यांत्रिकी विद्यापीठ का चयन डीएसटी, भारत सरकार द्वारा 'ब्रिक्स यंग साइंटिस्ट कान्क्लेव' के लिए किया गया है।

## नई नियुक्तियां

भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर परिवार से माह मई-जून, 2017 के दौरान निम्न नए सदस्य जुड़े, इन सभी का हार्दिक अभिनन्दन

श्री सुशांत कुमार पोद्दार ने विशेष कार्याधिकारी (शैक्षिक) का कार्यभार ग्रहण किया

श्री चंद्रा वाड्डे ने प्रोग्रामर का कार्यभार ग्रहण किया

श्री अब्दुल कादेर एलकेएम ने सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर का कार्यभार ग्रहण किया

श्री रॉबिन्सन बेहेरा ने एसोसिएट नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर (अनुबंध पर) का कार्यभार ग्रहण किया

डॉ. अशीमा सर्खेल ने चिकित्सा अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया

श्री ओम प्रकाश झा ने कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक का कार्यभार ग्रहण किया

प्रो. ऋषिकेश मिश्रा ने पृथ्वी, महासागर एवं जलवायु विज्ञान विद्यापीठ में अभ्यागत प्राध्यापक का कार्यभार ग्रहण किया

डॉ. शांतनु पात्रा ने आधारीय विज्ञान विद्यापीठ में सहायक प्राध्यापक का कार्यभार ग्रहण किया

## साहित्य स्तंभ–सुमित्रा नंदन पंत

सुमित्रा नंदन पंत का जन्म अल्मोड़ा ज़िले के कौसानी नामक ग्राम में 20 मई 1900 ई. को हुआ। जन्म के छह घंटे बाद ही उनकी माँ का निधन हो गया। उनका लालन-पालन उनकी दादी ने किया। सात वर्ष की उम्र में, जब वे चौथी कक्षा में ही पढ़ रहे थे, उन्होंने कविता लिखना शुरु कर दिया था। 1907 से 1918 के काल को स्वयं उन्होंने अपने कवि-जीवन का प्रथम चरण माना है।1918 के आसपास तक वे हिंदी के नवीन धारा के प्रवर्तक कवि के रूप में पहचाने जाने लगे थे। इस दौर की उनकी कविताएं वीणा में संकलित हैं। 1926-27 में उनका प्रसिद्ध काव्य संकलन 'पल्लव' प्रकाशित हुआ। कुछ समय पश्चात वे अपने भाई देवीदत्त के साथ अल्मोडा आ गये। इसी दौरान वे मार्क्स व फ्रायड की विचारधारा के प्रभाव में आये। शमशेर, रघुपति सहाय आदि के साथ वे प्रगतिशील लेखक संघ से भी जुडे रहे। वे 1955 से 1962 तक आकाशवाणी से जुडे रहे और मुख्य-निर्माता के पद पर कार्य किया। इस काल की कविताएँ वीणा में संकलित हैं। सुमित्रानंदन पंत की कुछ अन्य काव्य कृतियाँ हैं - पल्लव , ग्रन्थि, गुंजन, ग्राम्या, युगांत, स्वर्णकिरण, स्वर्णधूलि, कला और बूढ़ा चाँद, लोकायतन, चिदंबरा, सत्यकाम आदि। उनके जीवनकाल में उनकी 28 पुस्तकें प्रकाशित हुईं, जिनमें कविताएं, पद्य-नाटक और निबंध शामिल हैं। पंत अपने विस्तृत वाङमय में एक विचारक, दार्शनिक और मानवतावादी के रूप में सामने आते हैं किंतु उनकी सबसे कलात्मक कविताएं 'पल्लव' में संकलित हैं, जो 32 कविताओं का संग्रह है।हिंदी साहित्य सेवा के लिए उन्हें पद्मभूषण (1961), ज्ञानपीठ(1968), साहित्य अकादमी, तथा सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार जैसे उच्च श्रेणी के सम्मानों से अलंकृत किया गया। उनकी एक कविता सुख-दुःख प्रस्तुत है

### सुख-दुख

मैं नहीं चाहता चिर-सुख,
मैं नहीं चाहता चिर-दुख,
सुख दुख की खेल मिचौनी
खोले जीवन अपना मुख !

जग पीड़ित है अति-दुख से
जग पीड़ित रे अति-सुख से,
मानव-जग में बँट जाएँ
दुख सुख से औ' सुख दुख से

यह साँझ-उषा का आँगन,
आलिंगन विरह-मिलन का;
चिर हास-अश्रुमय आनन
रे इस मानव-जीवन का !

सुख-दुख के मधुर मिलन से
यह जीवन हो परिपूरन;
फिर घन में ओझल हो शशि,
फिर शशि से ओझल हो घन !

अविरत दुख है उत्पीड़न,
अविरत सुख भी उत्पीड़न;
दुख-सुख की निशा-दिवा में,
सोता-जगता जग-जीवन !

सुमित्रा नंदन पंत